

# HRA an USUA The Gazette of India

### असाधारगा EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (1)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 400]

नई बिल्ली, बुधवार, सिसम्बर 4, 1985/भाव 13, 1907

No. 400] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTTEMBER 4, 1985/BHADRA 13, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रचा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

#### वित्त मंद्रालय

(आर्थिक कार्यविभाग)

नई दिरली, 4 सितम्बर, 1985 <sup>°</sup>

#### अधिमुचनाएँ

मा. का. नि. 714 (अ):—केन्द्रीय मरकार, मरकारी बचन पत्न अधिनियम, 1959 (1959 का 46) को धरा 12 इ.स. प्रदन्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए, डाक घर बचन पत्न नियम, 1960 का आगे और संशोधन करने के लिए निस्नलिखिङ नियम बनाती है, अर्थान्

- (1) /न नियमों का संक्षित नाम डाक घर बचत पत्र (संको-धन) नियम, 1985 हैं।
  - (2) ये राजपक्ष अद्वीप्रकाशन की नार्शस्त्र को प्रवृत्त होंगे।
  - 2 डाकघर बचन पन्न नियम, 1960 के नियम 26 में, '-~
  - (i) विश्वमान उपनियम (।) के स्थान पर निस्तलिखित स्था জাম্মা এখনি:
    - ''(1) (क) यदि किसो व्यक्ति की मृत्यु हाजानो हैं और सृ्ध्यु के समय यह किसी बचन पक्ष का धारक हैं और

उसकी सुन्ध के समय कोई नामनिर्मेशन प्रवृत्त नहीं हैं और उसकी विल का प्रावेट या एसकी सम्पदा का प्रशासन पत्न या भारतीय उत्तराधिकार अप्रिनियम, 1935 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपत्न धारक की मृत्यू के तीन मास के भीनर, खण्ड (ख) की सारणी में विनिदिष्ट प्राधिकारी को प्र-तृत नहीं किया जाता तो, यदि यकत पत्न में विनिदिष्ट राणि 20,000 र (जिसमें समय-समय पर पुरोधृत और मृतक द्वारा भारत सब बचत पत्नों की वान गोध्य रकम भी है) से अधिक नहीं है तो, खण्ड (ला) की सारणी में विनिदिष्ट प्राधिकारी जम राणि का मंदाय उसके समक्ष हाजिर होने वाने ऐसे किसी व्यक्ति को कर सकता है जो उस राणि की प्राप्त करने का हकदार है।

(ख) ते वे सारणी में विनिधिष्ट प्राधिकारी बचत पत्न के धारक की मृत्य होने पर, उमकी विल का प्रांबेट या उसकी संपंक्ष का प्रशासन पत्न या भारतीय उत्तरा-धिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंज्र किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपत्न प्रस्तुत

761 GI/85-1

न किए जन्ने पर भी, प्रांग्क के सामने अंकित सीमा तक दात्र मंजूर करने के लिए सक्षम होगा।

#### मारणी

प्राधिकारी का नाम	सीमा
	₹0
(i) काल वेतनमान विभागीय उप-डाकपाल	577
(ii) निम्नेतर चयत्र श्रकी में उप डाकपाल	1,000
(iii) अराजपत्नित्र प्रधान डाकपाल और उच्चनर चयन श्रणीः में उप-डाक्षपाल	2,000
(iv) उप डाकपाल (उच्चतर चयन श्रणी में अराज- पत्नितः) और महायक प्रैसीडेन्सी डाकपाल (उच्चतर चयन श्रीणी में अराजपत्नितः) जो प्रैफीडासी डाकधरों में बचत बैंक शाखा के भारसाधक है।	2.000
(V) उप डाकपाल (मुख्यपाल में राजपित्तत) और उप-प्रसिडेन्सी डाकपाल जो प्रसिडेन्सी डाक- घरों में बचन बैंक शाखा के भारसाधक हैं।	5,000
(vi) राजपितन डाकपाल /डाकबर अर्धक्षक/डाक- घरों के ज्येष्ठ अर्धक्षक/प्रमीडन्सी डाकपाल	10,070
$(\mathrm{vii})$ डाक सर्किलों के प्रधान $/$ प्रादेशिक निदेशक	20.003

(7) उपनियम (2) में "5000 रु." शब्द और अंकों के म्थान पर "23,000 रु." अंक और शब्द रख जाएंगे"।

[फा. सं. 2/28/84 एन. एम. (i)]

टिप्पण :—भूल नियम सा. का. नि. मं. 711 तारीख 25-6-60 द्वारा प्रकाशित किए गए और अंतिम बार उनका संशोधन सा. का. नि. सं. 864 (अ) तारीख 29-11-1983

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 4th September, 1985.

#### NOTIFICATIONS

G.S.R. 714 (E):— In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Post Office Savings Certificates Rules, 1960, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Post Cffice Savings Certificates (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Post Office Savings Certificates Rules, 1960, in rule 26
  - (i) for the existing sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
    - "(1) (a) If a person dies and is at the time of his death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate

granted under the Indian Succession Act, 19°5 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to clause (b), then if the sum due on the Savings Certificate does not exceed Rs. 20,000, (inclusive of the sum due or all Savings certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to clause (b) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.

(b) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the savings certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1975 (39 of 1975).

#### **TABLE**

Name of Authority	Limit	
(i) Time Scale Departmental Sub Post- masters	Rs. 500/-	
(ii) Sub Postmusters i er Selection Grade	Rs. 1,000/-	
(iii) Non-gazetted Head masters and Sub- Postmasters in Higher Selection Grade	Rs. 2,000/-	
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) in the Pre- sidency Post Offices incharge of Sav- ings Bank Branch	Rs. 2,000/-	
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Post- masters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch	Rs. 5,000/-	
<ul><li>(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Senior Superintendents of Post Office:/Presidency Postmasters.</li></ul>	Rs. 10,000/-	
(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors.	Rs. 20,000/-	

(ii) in sub-rule (2), for the word and figures "Rs. 5000" the words and figures "Rs. 20,000" shall be substituted".

[F. No. 2/28/84—NS(i)]

Note:— The principal rules were published vide G.S.R. 711 dated 25-6-60, amended on the last occasion vide G.S.R. 864(E) dated 29-11-1983.

मा. का. नि. 715 (अ):—केन्द्रीय सरकार सरकारी बचत पत्र अधिनियम 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शांकायो का प्रयोग करने हुए राष्ट्रीय बचत-पत्र (छठा निर्गम) नियम, 1911 का अभी और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थान्:—

- (1) इन नियमों का संक्षित नाम राष्ट्रीय बचत-पत्न ( छठा निर्मम ) (संशोधन ) नियम, 1935 है।
  - (3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 राष्ट्रीय बच्च-पत्र (छठा निर्गम ) नियम, 1981 में विद्यमान नियम 24 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थान्:

#### "24 दारिमों को संदाय

- (1) यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाकी है और मृत्यु के समय यह किसी बचन पत्र का धारफ है और उसकी मृत्यु के समय कोई नामनिवेंशन प्रवृक्त नहीं है और उसकी मृत्यु के समय कोई नामनिवेंशन प्रवृक्त नहीं है और उसकी मृत्यु के समय या उसकी सम्पदा का प्रशासन पत्न या मारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 को 39) के अधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपत्न, धारफ की मृत्यु के तीन भास के भीतर, उपनियम (2) की मारणी में विनिद्धिय प्राधिकारी को प्रस्तुत नहीं किया जाना तो यदि बचन पत्न में विनिद्धिय राणि 20,000 क. (किसमें समय-समय पर पुरोधृत और मृतक हारा धारित सब बचन पत्नों की बाबत मोध्य रकम भी है) में अधिक नहीं है तो, उपनियम (2) की सारणी में विनिद्धिय प्राधिकारी उस राणि का मंदाय करने उसके समक्ष कृष्ठित होने आसे ऐसे किसी व्यक्ति को कर सकता है जो उस राणि को प्राप्त करने या मृतक की संपद्दा का प्रजासन करने या मृतक की संपद्दा का प्रजासन करने या सुतक की संपद्दा का प्रजासन करने सुतक की संपद्दा का प्रजासन करने सुतक सुतक सुत्र सुत्र सुतक सुतक सुतक सुत्र सुतक सुत्र सुत्र सुतक सुत्र सुत्र
- (१) नीचे सारणी में विनिदिष्ट प्राधिकारी बन्तर पछ के धरनक की मृत्यु होने पर, उसकी विल का प्रोबेट या उसकी संपद का प्रणासन पल या मारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंत्रूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपत्न प्रस्तुत्र न किए गृति पर भी, प्रत्यके के सामने अंकित सीमा तक बाबे मंत्रूर कर्नी के लिए सक्षम होगा।

#### अध्यापर्वा

प्राधिकारी का नाम	सं∶मा
	₹0
<ol> <li>काल बतनमान विभागीय उप-डाक्स्पाल</li> </ol>	500
(ii) किस्तार चयत श्रेणी में उप डाक्तप ल	0.00
(iii) अराक्ष्यद्विन प्रधान डाकपाल और उच्चतर चयन श्रणी में उप-डाक्षपाय	1,000
(iv) उप डाकपाल (उफ्चतर चयन श्रणी में अराज- पिता) और महापंक प्रेसीडिस्मी डाकपाल (उफ्ल- वर चयन श्रेणी में अराजपितत) जो प्रेसीडिस्सी डाकप्ररों में अचत बैंक मान्या में भारमाधक	
हैं। (v) उप डाकशाल (मुख्यालय में राजपत्नित)और उप-प्रसीडेन्सी डाकपाल जो प्रसीडेन्सी डाकघरों	2,000
में बचन बैंक णाखा के भारसाधक हैं।	5,000
(vi) राजपोद्धन इक्लिपाल/डासघर अर्धाक्षक/डाक- घरों केज्यस्टअर्धाक्षक/प्रमीडन्सी डाक्लपाल	10,000
(vii) इतक मर्जिलों के प्रवान/प्रादेशिक निदेशक	20,000

(7) उप-नियम (2) में "5000 क." एव्द और अर्कों के स्थान पर "20,0000 क." अन्य और शब्द रख जाएंग"।

[फा. म. ४/६४/४४-ए५. एस. (ti)]

हिष्पण: मृल नियम, रा. बा. नि. सं. 309 (अ) वार्गख 24-4-81 द्वारा प्रकाशित किए गए और उनका संघोधन सा. का. नि. सं. 757 (अ), वारीख 10-12-1982 सा. का. नि. सं 259 (अ), वारीख 11-3-83 और सा. का. नि. सं. 797 (अ) वारीख 24-19-83 द्वारा किया गया।

- G.S.R. 715(E)—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Certificates (VI Issue) Rule: 1981 namely:—
- 1. (1) These rules may be called the National Savings Certificates (VI Issue) (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Savings Certificates (VI Issue) Fules 1981, for the existing rule 24, the following rule shall be subtituted, namely:—
  - "24. Payment to heirs—(1) If a person dies and is at the c time of his death the holder of a Savings Certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) ie not, within three months of the death of the holder produced to the authority specified in the Table to sub rule (2), then if the sum due on the Savings Certificat does not exceed Rs. 20,000/- (inclusive of the sum due on all savigns certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to sub-rule (2) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.
  - (2) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the savings certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1935).

Name of Authority	Limit
(i) Time Scale Departmental Sub Post- masters	Rs. 500/-
(ii) Sub Postmasters in lower Selection Grade	Rs. 1,000/-
(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sul Postmasters in Higher Selection Grade.	b- Rs. 2,000/-
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) in the Pre- sidency Post Office incharge of Savings Bank Branch	Rs. 2,000/-
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Highe Selection Grade and Deputy Presidency Postmasters in the Presidency Post Office incharge of Savings Bank Branch	Rs. 5,000/-
(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Senior Superintendents of Post Offices/Presidency Postmasters.	
(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors.	Rs. 20,000/-

[F. No. 2/28/84---NS(ii)]

Note:— The Principal rules were published vide GSR 309 dated 24-4-1981 and amended vide GSR 7 dated 10-12-1982, GSR 252 dated 11-5-83 GSR 797(E) dated 24-10-1383

सा. का नि. 716(अ).--केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत पन्न अधि-नियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय बचत-पन्न (सातवां निर्मेम) नियम, 1981 का आगे और संशोधन करने के लिए निम्नाविश्वित नियम बनाती है, अर्थात :--

- 1. (1) इन नियमीं का सक्षित नाम राष्ट्रीय अचत-पन्न (सातवां निर्गम) (संशोधन) नियम, 1985 है।
  - (2) ये राजपन्न में प्रकाणन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय बचत-पत्न (सातवा निर्शम) नियम, 1981 में विद्यमान नियम 24 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा आएगा अर्थात :---

- "24 वारिसों को संदाय (1) यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है और मृत्यु के समय वह किसी बचत पक्ष को धारक है और उसकी विल का प्रोवेट या उसकी सम्पदा का प्रशासन पक्ष या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपत्न, धारक की मृत्यु के तीन मास के भीनर उप नियम (2) की सारणी में विनिर्देष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत नहीं किया जाना तो यदि बचन पक्ष में विनिर्दिष्ट राशि 20,000 क. (जिसमें समय-समय पर पुरोष्ट्रत और मृतक द्वारा धारित सब बचन पत्नों की बचत शोध्य रकम भी है) से अधिक नहीं है तो उपनियम (1) की सारणी में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी उस राशि का संदाय उसके समक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किसी व्यक्ति को कर सकता है जो उस राशि को प्राप्त करने या मृतक की संपदा का प्रशासन करने का हकदार है
- (ख) नीचे सारणी में विनिदिष्ट प्राधिकारी बचत पत्न के धारक की मृत्यु होने पर उसकी विल का प्रोबेट या उसकी संपदा का प्रणासन पत्न या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया उत्तराधिकारी प्रमाणपत्न प्रस्तुत न किए जाने पर भी प्रत्येक के सामने अंकित सीमा सक वाबे मंजूर करने के लिए सक्षम होगा।

#### सारणी

प्राधिकारी का नाम	सीमा
	₹0
<ul><li>(i) काल बेतनमान विभागीय उप डाक्रपाल</li></ul>	500
(ii) निम्नतर चयन श्रेणी में उप डाकपाल	1,000
(iii) अराजपित्तत प्रधान डाकपाल और उच्चतर चयन श्रेणी में उप डाकपाल	2,000
(iv) उप डाकपाल (उच्चतर घयन श्रेणी में अराजपित्तन) और सहायक प्रेसीडेन्सी डाकपाल (उच्चतर घयन श्रेणी में अराजपित्रत जो प्रेसीडेंसी डाकघरों में सचत बैकों शाखा के भार साधक हैं।	2,000
<ul> <li>(V) उप डाकपाल (मुख्यालय में राजपितत और उप-प्रेसी- डेंगी डाकपाल जो प्रेसीडेंसी डाकघरों में अचन बैंक शाखा के भार साधक हैं</li> </ul>	5,000
<ul> <li>(vi) राजपितत डाकपाल/डाकघर अधीक्षक/डाकघरों के अमेष्ठ अधीक्षक/प्रेसीडेक्सी डाकपाल</li> </ul>	10,000
(vii) आक सर्किलों के प्रधान/ . प्रादेशिक निदेशक	20,000

टिप्पण--मूल नियम सा. का. नि. सं. 310(अ), सारीख 24-4-81 द्वारा प्रकाशित किए गए और उनका संगोधन सा. का. नि. सं. 752 (अ) सारीख 10-12-82 सा. का. नि. 260(अ), नारीख 11-3-1983 और सा. का. नि. 798 (अ) सारीख 24-10-83 द्वारा किया गया।

G.S.R. 716 (E):—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Control Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Certificates (VII Issue), Rules, 1981, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the National Savings Certificates (VII Issue) (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Savings Certificates (VII Issue) Rules, 1981, for the existing rule 24, the following rule shall be substituted, namely:—
  - "24 Payment to heirs (1) If a person dies and is at the time of his death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not within three months of the death of the holder, produced to the authority apeacified in the Table to sub-rule (2), then if the sum due on the Savings Certificate does not exceed Rs. 20,000/- (inclusive of the sum due on all saving certificates issued from time to time and held by the deceased) the authority specified in the Table to sub-rule (2) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.
  - (2) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the savings certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925).

#### TABLE

TABLE		
Name of Authority	Li	imit
(i) Time Scale Departmental Sub Post- masters	Rs.	500/-
(ii) Sub Postmasters in lower Selection Grade	Rs.	1,000/-
(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sub Postmasters in Higher Selection Grade.	Rs.	2,000/-
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) in the Pre- sidency Post Offices incharge of Sav- ings Bank Branch.	Rs.	2,000/-
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices and Deputy Presidency Post- masters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch.	Rs.	5,000/-

Name of Authority	Limit	प्राधिकारी का नाम	सीमा
(vi) Gazetted Postmasters/Superinter of Post Offices/Senior Superinten of Post Offices/Presidency Pos- ters.	donts		₹
(vii) Heads of Postal Circles/Regional I	Dir <b>e</b> c-	के भारसाधक हैं ।	2,000
ters.	Rs. 20,000/- 2. 2/28/84-NS (iii)]	<ul> <li>(v) उप-क्राकपाल (मुख्यालय में राजपित्रत) और उप-प्रेमी- क्रेन्सी क्राकपाल जो प्रेमीक्रेमी डाकचरों में अस्तत बैंक</li> </ul>	
Note:— The principal rules were published dated 24-4-1981 and amending	d vide G.S.R. 310(E)	शास्त्रा के भारसम्बक्त हैं।	5,000
GSR No. 752(E) dated 10-12-1 dated 11-3-83 and GSR No. 79	32, GSR No. 260(E)	(vi) राजपित्तत डाकपाल/डाकघर/अधीक्षक/डाकचरों के अ्येष्ठ अधीक्षक/प्रेमीडेंसी डाकपाल	10,000
सा. का. नि. 717(अ) - केन्द्रीय सरक अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा का प्रयोग करने हुए, सामाजिक रक्षा-पत्र नियम	12 द्वारा प्रवस्त भवितयो	(vii) डाक सर्किलों के प्रधान/ प्रादेशिक निवेशक	20,000

[फा. सं. 2/28/84-मृत एस (iv)]

दिप्पण : मूल नियम, सा. का. नि. सं. 259(अ), तारीख 20-3-82 द्वारा प्रकाणित किए गए और उनका संशोधन सार्का, नि मं. 432 (अ), तारीबा 29-5-82 और सा. का. नि. सं. 627(अ), नारीख 25-10-82 द्वारा किया गया।

G.S.R. 717(E):— In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Cortificates Act, 1959, (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Social Security Certificates Rules. 1982, namely:-

- 1. (1) These rules may be called the Social Security Certificates (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Social Secruity Certificates Rule, 1982, in rule 21, for the existing sub-rule (4) the following sub-rule shall be substituted, namely:--
  - "(4) (a) If a person dies and is at the time of his death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to clause (b) then if the sum due on the savings certificate does not exceed Rs. 20,000, (inclusive of the sum due on all savings certificates issued from time to time held by the deceased) the authority specified in the Table to clause (b) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.
    - (b) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit against each on the death of the holder of the savings Certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925, (39 of 1925).

- 1. (1) इन नियमोंका संक्षित नाम सामाजिक सूरक्षा-पन्न (सशोधन) नियम, 1985 है
  - (2) ये राजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रवत्त होंगे।

2. सामाजिक भ्रक्षा-पन्न नियम, 1982 में नियम, 21 में विद्यमान उप-नियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा आएगा, अर्खात :---

- "(4)(क) यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है और मृत्यु के समय वह किसी बचन पन्न का धारक है और उसकी मत्यु के समय कोई नाम निर्देशन प्रजुल नहीं है और उसकी विल का प्रोवेट या सम्भवा का प्रशासन पत्र या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अर्धान मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपत्न, धारक की मृत्यु के तीन मास के भीतर, खण्ड (ख) की सारणी में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तून नहीं किया जाता तो, यदि बचत पत्र में बिनिदिष्ट राशि 20,000 है. (जिसमें समय-समय पर पुराधृत और मृतक द्वारा धारित सब बचत पत्नों की बाबत गोध्य रक्तम भी है) से अधिक नहीं है तो, खण्ड (ख) की सारणी में विनिधिष्ट प्राधि-कारी उस राणि का संवाय उसके समक्ष हाजिर होने बाले ऐसे किसी व्यक्ति को कर सकता है जो उस राणि को प्राप्त करने या मृतक की संपदा का प्रशासन करने का हकदार है
  - (ख) नीचे सारणी में विनिर्विष्ट प्राधिकारी बचत पक्ष के घारक की मृत्यु होने पर उसकी बिल का प्रोबेट या उसकी सपद्रा का प्रशासन पत्न या भारतीय उत्तराधिकार अधि-नियम 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजुर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपदा प्रस्तुत न किए जाने पर भी, प्रत्येक के सामने अंकित सीमा तक दावे मजूर करने के लिए यक्षम होगा।

#### सारणी

प्राधिकारी का नाम	सीमा
	₹,
(i) काल वेतनमान विभागीय उप- <b>डा</b> कपा <b>ल</b>	500
(ii) निम्नतर वयन श्रेणी में उप-खाकपाल	1,000
(iii) अराजपक्षित प्रधान बाकपल औरजन्यसर वयन श्रेणी	
में उप-क्षानपाल	2,000

	TABLE		
	Name of Authority		 .imit
_	(i) Time Scale Departmental Sub Post- masters	Rs.	500/-
	(ii) Sub Postmaster in Power Selection Grade	Rs.	1,0 00/-
	(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sub Postmasters in Higher Selection Grade		2,000/
	(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grad in the Presidency Post Office incharge of Savings Bank Branch.	le)	2,000/-
	(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices and Deputy Presidency Post- masters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch		5.000/-
	(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Senior Superintendents of Post Office/Presidency Postmasters		10,000/-
	(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors.	Rs.	20,000/-

[F. No. 2/28/84---N S(N)

Note: The principal rules were published vide GSR 259 (E) dated ^0-3-1982 and amended vide GSR 432 (E) dated 29-5-1982 and GSR 627 (E) dated 25-10-1982.

मा. का. नि. 718 (घ) :— केन्द्रिय सरकार, सरकारी वजन पञ्ज ग्राधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय बचत-पत्त (पहला निर्गम) नियम, 1981 का ग्रागे ग्रीर संशोधन करने के लिए निस्निलिखित नियम बनार्ता है, भवित:—

- (1) इत नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रांत्र बचत-पत्न (पहला निर्मम) (संशोधन) नियम, 1985 है।
  - (2) ये राजपद्ध में प्रकाशन को तारोख को प्रवृत होंगे।
- राष्ट्रीय विचत-पन्न (पहला निर्गम) नियम, 1981 में, नियम 23 में,---
  - (i) विश्वमान उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित भग-नियम रखा जाएगा, प्रवांत :---'

"(1)(क) यदि किसा व्यक्ति की मृत्यु हो आता है और मृत्यु के समय यह किसी बचत पत्न का धारक है भीर उसकी मृत्यु के समय कोई नामनिर्देशन प्रवृत्त नहीं है भीर उसकी विल का प्रोबेट या उसकी समय का प्रशासन पत्न, या भारतीय उत्तराधिकार प्रधिनियम, 1925 (1925 का 39) के प्रधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपत्न, धारक की मृत्यु के तीन मास के भीतर, बंद (बा) की सारणा में विनिर्दिष्ट प्राधिकारों को प्रस्तुत नहीं किया जाना तो, यदि बचन पत्न में विनिर्दिष्ट राशि 20,000 र. से (जिसमें समय-समय पर पुरोधृत मौर मृतक द्वारा धारित मज बचत पत्नों को सावन शोध्य रकम भी है) धिक नहीं है तो, बंद (बा) की मारणों में विनिर्दिष्ट प्राधिकारों उस राशि का संदाय उसके समकक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किसी व्यक्ति को संपदा का जुंशासन करने का हतदार है।

(2) नीचे सारणं में बिनिर्दिण्ट प्राधिकारों बजत पत्न के धारक की मृत्यु होने पर, उसकी बिल का प्रोबेट या उसकी संपदां का प्रमासन पत्न या भारतत्य उत्तराधिकार अधियिनयम, 1925 (1925 का 39) के श्रधीन संजूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाप-पन्न प्रस्तुत न किए जाने पर भी, प्रत्येक के सामने अंकित सीमा तक दावे मंजूर करने के लिए सक्षम होगा ।

#### सारणी

प्राधिकारी का नाम	 सं. मा
	स .
<ul><li>(i) काल बेतनमान विभागीय उपज्ञाकपाल</li></ul>	5 0 0
(ii) निम्नतर चयन श्रेणः में उपडाकपाल	1,000
(iii) श्राराजपत्नित प्रधान डाकपाल ग्रौर ए <del>उघ</del> तर	
चयन श्रेण। में उप-काकपाल	2,000
(iv) उप डाकपाल (उच्चतर चयन श्रेणों में प्रराज- पत्नित) भीर सहायक प्रेसी-डेन्सो डाकपाल (उच्चतर चयन श्रेणों में प्रराजपक्षित) जो प्रेसी-डेन्सा डाकघरों में बचत वैंक शाखा के भारसाधकहै।	2,000
<ul> <li>(V) उप प्राक्तपाल (मुख्यालय में राजपितत) ग्रीर उप-प्रेमीडेंमी डाकपाल जो प्रेसीडेन्मी डाकवरीं में बचन बैंक शाखा के भारमाधक हैं</li> </ul>	5,000
<ul><li>(vi) राजपत्नित डाकपाल / डाकघर / प्राधीक्षक डाकघरों के ज्येष्ठ अर्थाक्षक प्रेमोर्डेस: डाकपाल</li></ul>	·
, , ,	10,000
(vii) डाक सर्किनों के प्रधान/प्रादेशिक निदेशक	20,000"

(ii) उप नियम 2 में "5000 र." मंकों भीर सब्दों के स्थान पर "20,000 र." मंक भीर मक्का रक्की जाएंगें।

[फा.मं. 2/28/84/एन एम (v)]

टिप्पणी: म्मूल नियम, सा. का. ति. सं. 497 (प्र), तारंखा 25-3-65 द्वारा प्रकाणित किए गए और उनका अंतिम संशोधन सा. का. ति. सं. 865(प्र), तारंखा 29-11-1983 द्वारा किया गया।

G.S.R. 718(E):—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Certificates (First Issue) Rules, 1965, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the National Savings Certificates (First Issue) Amendment Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Savings Certificates (First Issue) Rules, 1965, in rule 23,
  - (i) for the existing sub rule (1) the following sub-rule shall be substituted, namely ;—
    - "(1) (a) If a person dies and is at the time of his death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to clause (b), then if the sum due on the Savings

THE PERMIT WAS ASSESSED.

Certific te does not exceed Rs. 20,000 (inclusive of the sum due on all savings certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to clause (b) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.

(b) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the savings certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925).

#### TABLE

Name of Authority	Limit
	Rs.
(i) Time Scale Departmental Sub Postmasters	500
(ii) Sub Postmasters in lower Selection Grade	1000
(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sub post masters in Higher Selection Grade.	2,000
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-gazetted in Higher Solec- tion Grade) in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch	2 000
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Postmasters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch	5,000
(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Senior Superintendents of Post Offices/Presidency Postmasters	10,000
(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors	20,000".

(ii) It sub-rule (?), for the word and figures "Rs. 5000", the word and figures "Rs. 20,000" shall be substituted.

[F.No. 2/28/84-NS(v)]

Note:—The principal rules were published under notification No. G.S.R. 497 dated 25-3-1965, amended on the last occasi in vide G.S.R. 865(E) dated 29-11-1983

मा. का. नि. 719 (घ): — तेन्द्रं य भरकार, सरकार, बजन पत्न ग्रिश्चिनयम, 1959 (1959 का 46) के धारा 12 द्वारा प्रदेन्त णस्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय बचन-पत्न (जीवा निर्गम) नियम, 1970 का ग्रागे और मणोधन करने के लिए निस्तिलिखन नियम बनात. है, ग्रथीत् :---

- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रय बचन-पन्न (चीया निर्मम) मंणोधन नियम, 1985 है।
  - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन को तार ख को प्रवृत होगे।
  - 2. राष्ट्रीय बजत-पत्न (श्रीया निर्गम) नियम, 1970 के नियम 23 में---
- (i) विद्यमान उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जाएगा, ग्रर्थान् :--- ;
  - "(1)(क) यदि किसे व्यक्ति क मृत्यु हो जाते है शौर मृत्यु के समय वह किसी बचत-पन्न का धारक है और उसकी मृत्यु के समय कोई नामनिर्देशन प्रयुत्त नहीं है और उसकी विल का प्रोवेट,

ण्याकः संपदा का प्रणासम पन्न या भारतं य उत्तराधिकार अधिनयम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रयाणपन्न, धारक की मृत्यु के तेन साम के भंतर, खण्ड (ख), का सारणा में विनिधिष्ट प्राधिकार। को प्रस्तुत नहीं किया जाता सो यवि अचन पन्न में विनिधिष्ट राशि 20,000 ह. (जिसमें समय-समय पर पुरोध्न और मृत्क द्वारा धारित सब बचन पन्नों के बावन शोध्य रकम भा है) से अधिक नहीं है तो, अंड (ख) की सारणी में विनिधिष्ट प्राधिकारी उस राशि का संदाय उसके समक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किसी ध्यक्ति को कर सकता है जो उस राशि को प्राप्त करने या मृतक का संपदा का प्रणासन करने का हकदार है ।

(क) नं ने सारणं में विनिर्दिश्ट प्राधिकारी बनन पत्त के धारक की मृत्यु होने पर, उसकी विल का प्रोबेट या उसकी संपदा का प्रशासन पत्न या भारतीय उत्तराधिकार प्रधिनियम, 1925 (1925 का 39) के प्रधान मंजूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपत्न प्रस्तुत न किए जाने पर भी, प्रत्येक के सामने प्रंकित सीमा तक दाये मंजूर करने के लिए सक्षम होगा।

सारणः

प्राधिकारः का्नाम	में मा
,	₹.
<ul> <li>(i) काल बेतनमान विभाग स उप-डाकपाल</li> </ul>	500
(ii) निम्नक्षर चयन श्रेणः में उप-क्वाकपाल	1000
(iii) भ्राराजपत्नितं प्रधान काकपाल भीर उज्यानर चयनश्रेणा में उप-काकपाल	2,000
(iv) उप-डाकपाल (उच्चतर जयन श्रेणो में धराज- पत्नित) श्रौर महायक श्रेलं डेन्सं, डाकपाल (उच्चतर चयन श्रेणा में धराजपत्नित) जो प्रैसोडेन्सा डाकघरों में बचत बैंक शास्त्रा के भारसाक्षक हैं	2,000
<ul> <li>(v) उप-द्राकपाल (मुख्यालय मे राजपिन्नत) भीर उप-प्रेसं हेन्से डाकपाल जो प्रेसं हेन्सा डाकघरों में बचन बैक शाखा के भारसाधक हैं</li> </ul>	5,000
(vi) राजपवित डाकपाल/डाकधर धर्धःक्षक/डाकघरों के ज्येष्ठ धर्धःक्षक/प्रेस डेसंः डाकपाल	10,000
(vii) द्वाक सर्किलों के प्रधान, प्रादेशिक निदेशक]	20,000 1"

(ii) उप-नियम (2) में "5000 ह." शब्द और श्रंकों के स्थान पर "20,000 ह." अंक भौर शब्द रखे जाएंगे।"।

[फा. मं. 2/28/24-एन एस (vi)]

टिल्पण :--मूल नियम, सा. का. नि. सं. 319 तार खा 28-2-1970 द्वारा प्रकाशित किए गए धीर धंतिम बार उनका संशोधन सा. का. नि. 866 (घ), तार ख 29-11-1983 द्वारा किया गया।

G.S.R. 719(E):—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959(46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Certificates (IV Issue) Rules, 1970, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Savings Certificates (IV Issue) Amendment Rules, 1985.

- (2) They shall come into force on the d. to of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Savings Certificates (IV Issue) Rules, 1970, in rule 23,-
  - (i) for the existing sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
  - "(1)(a) If a person dies and is at the time of this death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three nonths of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to clause (b), then if the sum due on the savings Certificate does not exceed Rs. 20,000 (inclusive of the sum due on all savings certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to clause (b) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.
    - (b) The authority specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the Savings Certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925).

#### TABLE

Name of authority	Limit
	Rs.
(i) Time Scale Departmental Sub Postmasters	500
(ii) Sub Postmasters in Lower Selection Grade	1,000
(iii) Non-Gazetted Head Postmasters, and Sub Postmasters in Higher Selection Grade	2,000
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-Gazetted in Higher Selec- tion Grade) in the Presidency Post Office in- charge of Savings Bank Branch	2,000
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Postmasters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch	5,000
(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Sonior Superintendents of Post Offices/Presidency Postmasters	10,000
(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors	20,000,";

(ii) in sub-rule (2), for the word and figures "Rs. 5,000" the word and figures "Rs. 20,000" shall be substituted.

[F. No: 2/28/84-NS(vi)]

Note:—The principal rules were published vide GSR No. 319, dated 28-10-1970. Amended on the last occasion vide GSR 866(E), dated 29-11-1983.

- सा. का. ति. 720 (भ):---केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचन पत्त प्रधिनियम, 1959 (1959 का 46) का धारा 12 ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय बचत-पत्न (पंजम निर्गम) नियम, 1973 का मागे भीर संशोधन करने के लिए निस्नलिखिन नियन बनाती हैं, प्रथान्:--
- 1.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रिय बचत-पन्न (पंचम निर्गम) संशोधन नियम, 1985 है।
  - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की नारीत्व की प्रवृत्त होंगे।
- राष्ट्रीय बचत पन्न (पंचम निर्गम) नियम, 1973 के नियम 22 मैं:-
- (i) विद्यमान उपनियम ( ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, भ्रवीत :---
  - "(1)(क) यवि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है और मृत्यु के समय वह किसी वजत बैंक का कारक है और उसकी मृत्यु के समय कोई नामनिर्देणन प्रवृत्त नहीं है और उसकी विल का प्रोबेट, या उसकी संपदा का प्रणासन पत्र या भारतीय उत्तराधिकार प्रधिनियम, 1925 (1925 का 39) के प्रधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपंत्र, धारक की मृत्यु के तीन मास के भीतर, खण्ड (ख) की सारणी में विनिर्दिष्ट प्राधिकारो को प्रस्तुत नहीं किया जाता तो, यवि बजत पत्न में विनिर्दिष्ट राणि 20,000 र. (जिसमें समय-समय पर पुरोधृत भीर मृतक द्वारा धारित सब बजत पत्नों की बाबन मोध्य रकम भी है) से प्रधिक नहीं है तो, खण्ड (ख) का सारणा में विनिर्दिष्ट प्राधिकारों उस राणि का संदाय उसके ममक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किसी व्यक्ति की कर सकता है जो उस राणि को प्राप्त करने या मृतक को संपदा का प्रणासन करने का हकदार है।
  - (ख) नीचे सारणी में विनिद्धिय प्राधिकारी बचत पत्न के धारक की मृत्यू होने पर जमकी विल का प्रोबेट या उसकी संपदा का प्रजा-सन पत्न या भारतीय उत्तराधिकार भ्रधिनियस, 1925 (1925 का 39) के अर्धन मंत्रूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपत्न प्रस्तुत न किए जाने पर भी, प्रत्येक के सामने स्रंकित सीमा तक दावे मंजूर करने के केलिए सक्षम होगा।

#### सारणी

प्राधिकारी को नाम	सीमा
	र .
(i) काल वेतनमीन विभागीय उप-डाकपाल	500
(ii) निम्ननर चयन श्रेणी में उप-डाक्षपाल	1,000
(iii) अराजपन्नित प्रधान डाकपाल श्रीर उच्चतर चयन श्रेणी में उप-डाकपाल	2,000
(iv) उप क्वाकपाल (उच्चातर जयन श्रेणी में ग्राग्जपित्रत) ग्रौर सहायक प्रेनीडेन्मी डाकपाल (उच्चातर चयन श्रेणी में ग्रराजपित्रत) जो प्रेमीडेन्सी डाकघरों मे सजल बैंक सोखा के भारसाधक हैं	2,000
<ul> <li>(v) उप-डाकपाल (मृक्यालय में राजपित्तन) भ्रीर उप- प्रेसीडेन्सी डाकपाल जो प्रेसीडेन्सी डाकघरो में बचन बैक लाखा के भारसाधक हैं</li> </ul>	5,000
(vi) राजपन्नित डाकपाल/डाकघर घधीक्षक/डाकघरों के ज्येष्ठ प्रधीक्षक/प्रेसीडेस्की डाकपाल	10,000
(∀ii) डाक सकिलो के प्रधाम/प्रावेशिक निदेशक	20,000

2

(ii) उप-नियम (2) में "5000 रु." शब्द और श्रंकों के स्थान पर "20,000 रु." श्रंक श्रौर शब्द रखें जाएंगे।

[फा. सं. 2/28/84-एनएस (vii)]

टिप्पण:—मूल नियम, सां. कां. नि. सं. 421(म्र) तारीख 6-9-1973 द्वारा प्रकाशित किए गए ग्रौर ग्रंतिम बार उनका संशोधन सां. कां. नि. सं. 867 (म्र), तारीख 29-11-1983 द्वारा किया गया।

G.S.R. 720(E): - In exercise of the powers conferred by section 1.2 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Savings Certificates (V Issue) Rules, 1973, namely:—

- (1) These rules may be called the National Savings Cerficates (V Issue) Amendment Rules, 1985.
  - (2) They shall came into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Savings Certificates (V Issue) Rules, 1973, in rule 22,—
  - (i) for the existing sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
    - "(1)(a) If a person dies and is at the time of his death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to clause (b), then if the sum due on the Savings Certificate does not exceed Rs. 20,000 (inclusive of the sum due on all savings certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to clause (b) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.
    - (b) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the savings certificate without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925).

#### **TABLE**

Name of Authority	Limit
	Rs.
(i) Time Scale Departmental Sub Postmasters	500
(ii) Sub Postmasters in lower Selection Grad	e 1000
(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sub- masters in Higher Selection Grade	2000
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Fresidenc Postmasters (Non-gazetted in Higher Selec- tion Grade) in the Presidency Post Offices in- charge of Savings Bank Branch.	
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Postmasters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch.	5 <b>000</b>

1

(vi) Gazetted Postmasters/Superint n 'ents of 10,000 Post Offices/Senior Superinendents of Post Offices/Presidency Postmasters.

(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors 20,000";

(ii) In sub-rule (7), for the word and figures "Rs. 5,000", the word and figures "Rs. 20,000" shall be substituted.

[F. No. 2/28/84-NS (vii)]

Not 4: The principal rules were published vide GSR No. 421 (E) dated 6-9-1973. Amended on the last occasion vide GSR 867(E) dated 29-11-1983.

सा. का. नि. 721 (ग्र):—केन्द्रीय सरकार, सरकारी बंचत पत्न ग्रिधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय बचत वार्षिकी पत्न नियम, 1976 का ग्रागे ग्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रथांत्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय बचन वार्षिकी पत्न (संशोधन) नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्न में प्रकाशन का तार ख को प्रवृत्त होंगे।
  2. राष्ट्रिय बचत वार्षिक एव नियम, 1976 में विद्यमान नियम, 17क
  के स्थान पर निम्नलिखिन नियम रखा जाएगा, अर्थात:--
  - "17क. ारिसों को संदाय (1) यदि किसा व्यक्ति का मृत्यु हो जाती है ग्रीर मृत्यु के समय वह किसं वचत पद्ध का धारक है **ऋौर उसक मृत्यु के समय को**ई <mark>नामनिर्देशन</mark> प्रवृत्त नहीं है भ्रौर उसक विल का प्रोबेट या उसकी मपदा का प्रशासन पत्न या भारत य उत्तराधिकार अधि-नियम, 1925 (1925 का 39) के अधान मंजर किया गया कोई उत्तराधिकारी प्रमाणपत्न, धारक की मृत्यु के तीन मास के भीतर, उपनियम (2) क सारणी में विनिदिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत नहीं किया जाता तो, यदि बचत पत्न में विनिर्दिप्ट राशि 20,000 ह० (जिसमें ममय-समय पर प्रोधन श्रौर मृतक द्वारा धारित सब बचत पन्नों कं वाबत शोध्य रकम भी है) से श्रधिक नहीं है तो, उपनियम क सारण, में विनि-र्विष्ट प्राधिकार. उस राशि का संदाय उसके समक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किस व्यक्ति को कर सकता है जो उस राशि को प्राप्त करने या मतक कः संपदा का प्रशासन करने का हकदार है।
    - (ख) नीचे सारणा में विनिर्दिष्ट प्राधिकारा बचत पन्न के धारक का मृत्यु होने पर, उसका विल का प्रोबेट या उसका संपदा का प्रशासन पन्न या भारतीय उत्तराधिकार प्रिधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपन्न प्रस्तुत न किए जाने पर भ , प्रत्येक के सामने ग्रंकिन संभा तक दावे मंजूर करने के लिए सक्षम होगा।

#### सारणं

प्राधिकारों का नाम	सोमा
	₹.
(f i) काल वेतनमान विभाग य उप-डाकपाल	500
(ii) निम्नतर चयन श्रेणो में उप-डाकषाल	1,000

प्राधिकारी का नाम	सीमा
(iii) भ्रराजपवित प्रजान डाकपाल भ्रौ उच्चतर चयन	₹.
श्रेणः में उप-डाकपात	. 2,000
(iv) उप-डाकपाल (उज्ज्वतर चयन श्रेणः में घराजपन्नित) ग्रोर सहायक प्रेस डेन्मः डाकपाल (उच्चतर चयन श्रेणः में ग्रराजपन्नित) जो प्रेमीडेन्सः डाकवरों में	
वचत वैंक ग्राखा के भारसाधक है	2,000
<ul> <li>(v) उप-डाकपाल (मृख्यालय में राजभित्तन) श्रौर उप- प्रेसीडेन्स डाकपाल जो प्रेस डेन्स डाकवरों में बचत</li> </ul>	
बैंक शावा के भारसाधक हैं	5, 000
(Vi) राजपन्नित डाकपाल/डाकघर श्र⊿ःश्रक डाकघरों के	
<b>ज्येष्ठ अध अक/प्रे</b> स डेन्सः डाकपाल	$10,\theta\theta0$
(vii) डाकपाल सर्किलो के प्रधान प्राटेशिक निदेशक	20,000
्ति. न. 2/28/84-र्न	a (Aiii)]
टिप्पण मूल नियम, सा. का. नि. न. २३९(ग), ताराखाः द्वारा एकसणि स्थित्वस्य सीत सीति वार उत्	

3.3.R. 75 (Ett. 15 ), reserved the power of all rest by some rest in the Government. Javings Certificates Act, 1959 (46 (2000)), in: Central Government hardy makes the following rest in turnly to amend the National Savings Annuity Certificates Rules, 1976, namely:—

सा. का .नि . स . २६८ (अ), गरीख, अ9-11-1983 हारा .जिस

- 1. (1) The sorties may be called the National Savings Annuity Cartificates (Amendment) Rules, 1985.
  - (2) Truy shall some into force on the date of their publiation in the Official Gazette.
- 2. In the National Savings Annuity Cartificates Rules 1975, the existing rule 17A, the following rule shall be substituted, namely:—
  - \*\*17 A Payment to hairs (1) If a person dies and is at the time of his death the holder of a savings certificate and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to subrule (1), then if the sum due on the Savings Certificate does not exceed Rs. 20,000 (inclusive of the sum due on all savings certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to sub-rule (2) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.
  - (2) The authorities specified in the Table below shall be computent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the savings certificate without production of the probate of his will orletters of administration of his state for succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925).

IADEL	
Name of Authority	Limit
	Rs.
(i) Time Scale Departmental Sub Postmasters	500
(ii) Sub Postmasters in Lower Selection Grade	1,000
(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sub-Postmasters in Higher Selection Grade	st- 2 <b>,000</b>
(iv) Deputy Postmasters (Non-Gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Postmasters (Non-gazetted in Higher Selec- tion Grade) in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch	2,000
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Postmasters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch.	5,000
(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices Senior Superintendents of Post Offices/Presidency Postmasters.	10,000
(vii) Heals of Postal Circles/Regional Directors	20 660

TABLE

[F. N : 7/28/84-NS (viii)]

Note: The principal rules were published vide C.S.R. No. 239(E) date (18-3-1976. Amoded on the last occasion vid. C.C.R. 868(5) date 9-14-1983.

सा. का. ति. 722'(अ):— केन्द्र य सरकार, सरकार: वचत पन्न अधिनियम, 1959 (1959 का 46) के धारा 12 हास प्रदत्त पतिवयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्र य विकास बांट निषम, 1977 का आपे सीर े विधन करते के लिए निस्तिस्थित नियम बनाते है, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का गंक्षिण नाम गण्ट्रिय विकास विंड (संशोधन) नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त हों। राष्ट्रिय विकास बांड नियम, 1977 के नियम 15 में,——
- (1) विद्यमान उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनि म रखा जाएगा, ग्रंथीत् :--
- "(1) (क) यदि किस. व्यक्ति क मृत्यु हो जातं है स्रौर मृत्यु के समय वह किसा बचन बींड का धारक है और उसकी मत्यु के समय कोई नामनिर्देशन प्रवृत्त नहीं है और उसका विल का प्रोबेट या उसके संपदा का प्रशासन पन्न या भारत व उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन अंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपन्न, धारक के मृत्यु के तीन माम के भंतर खण्ड (ख) क सारण. में विनिविष्ट प्राधि-कारं को प्रस्तुत नहीं किया जाता तो, यदि बचत पन में विनिर्दिष्ट राशि 20,000 ह. (जिसमें समय-समय पर परोधन और मृतक द्वारा धारित सब बांड था बचन पत्नों की बाबत शोध्य रक्षम भा है) से अधिक नहीं है तो, खण्ड (ख) की सारणा में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी उस राशि का संदाय उसके समक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किसी व्यक्ति को कर सकता है जो उस राशि को प्राप्त करने या मनक के लंपवा का प्रशासन करने का हकदार है।

(ख) ने चे सारणा में विनिर्दिष्ट प्राधिकारो बचत पन्न के धारक क मृत्यु होने पर, उसक विल का प्रोबेट या उसक मंगदा का प्रशासन पत्न म भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपन्न प्रस्तुत न किए जाने पर भा, प्रत्येक के सामन अकिन सीमा तक दावे मंजूर करने के लिए सक्षम होगा।

सारणी

प्राधिकारी का नाम	सीमा
	· ₹.
(i) काल वेतनमान विभागीय उप-डाकपाल	500
(ii) निम्नतर चयन श्रेणी में उप-डाकपाल	1,000
<ul><li>(iii) अरग्जपित प्रधान डाकपाल और उच्चतर चयन श्रेणी में उप-डाकपाल</li></ul>	2.000
(iv) ज़प डाकपाल (उच्चतर चयन श्रेणी में अराज- पत्नित) और महायक प्रेमीडेन्सी डाकपाल (उच्च- तर चयन श्रेणी में अराजपितत) जो प्रेमीडेन्सी डाकघरों में बचन ग्रैक फाखा के भारसाधक है	2,000
<ul> <li>(v) उप उक्तात (मुख्यालय में राजपित्रत) और उपन्येमीकेती जाकपात को प्रेसीकेसी जाकपरों में प्रचत कैंत्र गाखा के भारत प्रकृष्टिं।</li> </ul>	5,000,
(७४) राजपध्य विकास पुंजिलकर उपालको उन्तवसँ ते द्वेष्ट अपालक प्रेमीडेल्फ डक्फाल	10,000
(vii) इतः व्यक्तिं च प्रधान्/प्रावेशिक वितेशक	20,000"

ज्य-ानवर (2) में (क) "वांड" प्राय्य क न्यान पर नहां-जहां गृह दो स्थानों पर अपना है, "बांड और बचन गृह" ाद रखे जाएंगे:

(ख) "5000 ६." जब्द और अंकों के भाग पर "20000 ६." अंक और जब्द रखें जाएंगे।"

[फा. सं. 2/23′84-एन एस (ic)]

टिप्पण--मूत्र नियम सा. का. नि. स. 598(अ), तारीख 31-8-1977 हाराप्रकाणित किए गए ओर उनका संशोधन सा. का. नि. सं. 725 (अ), तारीख 1-12-77, सा. का. नि. 339(अ) तारीख, 21-2-1978 और सा० का. नि. 558 (अ), तारीख 28-9-79 हारा किया गया।

G.S.R. 722(E):—In exercise of the powers conferred by Section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Development Bo 143 (21'33, 1977, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the National Davaidant Bonds (Amerdment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the National Development Bonds Rules, 1977, in rule 15—
- (i) for the existing sub rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
  - "(1)(a) If a person dies and is at the time of his death the holder of a Bond and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters

of administration of his state or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the holder, produced to the authority specified in the Table to clause (b), then if the sum due on the Bond does not exceed Rs 20,000. (inclusive of the sum due on all Bonds or savings certificates issued from time to time and held by the deceased), the authority specified in the Table to clause (b) may pay the same to any person appearing to it to be entitled to receive the sum or to administer the estate of the deceased.

(b) The authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the holder of the Bond, without production of the probate of his will or letters of administration of this estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925).

TABLE

Name of Authority	Limit
	Rs.
(i) Time Scale Department S ib Positive Section	500
(ii) Sub Postmaste is in lower Selection Grade	1,000
(iii) Non-gazetted Head Postmasters and Sub- Postmasters in Higher Selection Grade	2,000
(iv) Deputy Polandsters Non-garet ed in Higher Schotlan Grad, and Assistant Prosidetcy Postmast, is to one-gazetted in Higher Schotlan Grade) in the Presidency 1 of Office incharge of Stivings Bank Epinea.	2,000
(v) Deputy Footnatsiers (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Posimics are in the Presidency rost Offices incharge of Savings Bank Pranch	5,000
(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Senior Superintendents of Post Offices/Presidency Postmasters	19,900
(vii) Head of Postal Circles/Regional Directors	20,000

- (ii) ia sub-rule (2),-
- (a) for the word "Bonds", at both the places where it occurs, the words "Bonds and savings certificates" shall be substituted;
- (b) for the word and figures "Rs. 5,000/-" the word and figures Rs. "20,000" shall be substituted."

[File No. 2/28/84-NS(ix)]

Note:— The principal rules were published vide GSR 598 (E) dated 31-8-1977 and amended vide GSR 725(E) dated 1-12-1977, GSR 339(E) dated 21-2-1978 and GSR 558(E) dated 28-9-1979.

मा. का. नि. 723(अ): — केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत वैंक अधिनियम, 1873 (1873 का 5) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डाक घर बचत बैंक साधारण नियम. 1981 का और संशोधन करने के लिए नियमित्वित नियम बनाती है, अर्थान:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम डाक घर ज्ञचन बैंक साधारण (संशोधन) नियम, 1985 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

- 2 डाक घर वचत बैंक साधारण नियम, 1981 के नियम 13 में विद्यमःन उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम रखा जाएगः, अर्थात् :--
  - "(4) यदि किसी जमाकर्ता की मृत्यु हो जाती है और उसकी मृत्यु के समय कोई नामनिर्देशन प्रवृत्त नहीं है ओर उसकी विल का प्रोबेट या उसका सम्पदा का प्रशासन पत्र या भारतीय उत्तरा-धिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया कोई उत्तराधिकार प्रमाणपत्न, जमाकर्ता की मृत्यु के तीन माम के भीतर, उस सरकारी बचत बैंक के ्र सचिव को, जिसमें जमः राशि है, प्रस्तुत नहीं किया जाता तो,---
    - (क) यदि खाते में शोध्य राणि बीस हजार रुपए से अधिक नहीं है तो सचिव उसका संदाय उसके समक्ष हाजिर होने वाले ऐसे किसी व्यक्ति को कर सकता है जो उस राणि के प्राप्त करने या मृतक की सम्पदा का प्रणासन करने का हकदार है; ओर
    - (ख) पूर्वोक्त बीस हजार रुपए की सीमा के भीतर, नीचे सारणं में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी जमाकती की मृत्य होने पर, उसकी विल का प्रोबेट या उसकी संपदा का प्रणासन पत या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के अधीन मंजूर किया गया उत्तराधिकार प्रमाणपद प्रस्तुत न किए जाने पर भी, प्रत्येक के सामने अकित सामा तक दावे मंजूर करने के लिए सक्षम होगा।

#### सारणं

प्राधिकारी का नाम	सीमा
	₹.
(i) काल वेतनमान विभागीय उप-डाकपाल	500
(ii) निम्नतर चयन श्रेणोः में उप-डाकपाल	1000
(iii) अराजपन्नित प्रधान डाक्कपाल और उच्चतर चयन श्रेणी में उप-डाक्तपाल	2000
(iv) उप-डाकपाल (उच्चतर चयन श्रेणी में अराज- पत्नित) और सहायक प्रेसीडेन्सी डाकपाल (उच्च- तर चयन श्रेणी में अराजपत्नित) जो प्रेसीडेन्सी डाकघरों में बचत बैंक शाखा के भारसाधक हैं	2000
<ul> <li>(v) उप-डाकपाल (मुख्यालय में राजपत्नित) और उप-प्रेसीडेर्न्सः डाकपाल जो प्रेसंडेन्सः डाकघरों में बचत बैंक णाखा के भारसाधक हैं</li> </ul>	5000
(vi) राजपन्नित डाकपाल/डाकघर अर्धाक्षक/डाकघरों के ज्येष्ठ अर्धाक्षक/प्रेसाडेन्सी डाकपाल	. 10,000
(vii) डाक सर्किलों के प्रधान/प्रादेणिक निदेशक	20.000"

[फा. सं. 2/28/84- एन एस (X)] ए. रंगाचारी, संयुक्त मचिव

टिप्पण--मूल: नियम, सा. का. नि. सं. 662(अ) तारीख 17-12-1981 द्वारा प्रकाशित किए गए।

- G.S.R. 723(E):-In exercise of the powers conferred by Section 15 of the Government Savings Banks Act, 1873 (5 of 1873), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Post Office Savings Bank Central Rules, 1981, namely: -
- 1. (1) These rules may be called the Post Officer Savings Bank General (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Post Office Savings Bank General Rules, 1981, in rule 13, for the existing sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely:--
  - "(4) If a depositor dies and there is no nomination in force at the time of his death and probate of his will or letters of administration of his estate or a succession certificate granted under the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) is not, within three months of the death of the depositor, produced to the Secretary of the Government Savings Bank in which the deposit is, then,-
  - (a) If the amount due on the account does not exceed twenty thousand rupees, the Secretary may pay the same to any person appearing to him to be entitled to receive it or to administer the estate of the deceased; and
  - (b) within the aforesaid limit of twenty thousand rupees, the authorities specified in the Table below shall be competent to sanction claims upto the limit noted against each on the death of the depositor without production of the probate of his will or letters of administration of his estate or succession certificate granted under the Indian Succession Act. 1925 (39 of 1925).

TABLE	
Name of Auth . rity	Unit
	Rs.
(i) Time Scale Departmental Sub Postmasters	500
(ii) Sub Postmasters in lower Selection Grade	1000
(iii) Non-Gazetted Head Postmasters and Sub- Postmasters in Higher Selection Grade	2000
(iv) Deputy Postmasters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) and Assistant Presidency Post- masters (Non-gazetted in Higher Selection Grade) in the Presidency Post Offices inchrage of Savings Bank Branch	
(v) Deputy Postmasters (Gazetted in Head Offices) and Deputy Presidency Postmasters in the Presidency Post Offices incharge of Savings Bank Branch.	5000
(vi) Gazetted Postmasters/Superintendents of Post Offices/Senior Superintendents of Post Offices/Presidency Postmasters.	10,000
(vii) Heads of Postal Circles/Regional Directors	20,000".

[F. No. 2/28/84-NS(x)] A. RANGACHARI, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published vide G.S.R. 662(E) dated 17-12-1981.